रामायण का पाताल लोक : वैज्ञानिकों ने सुलझाई धार्मिक पहेली

अमेरिका में मिला बजरंगबली का पाताल लोक

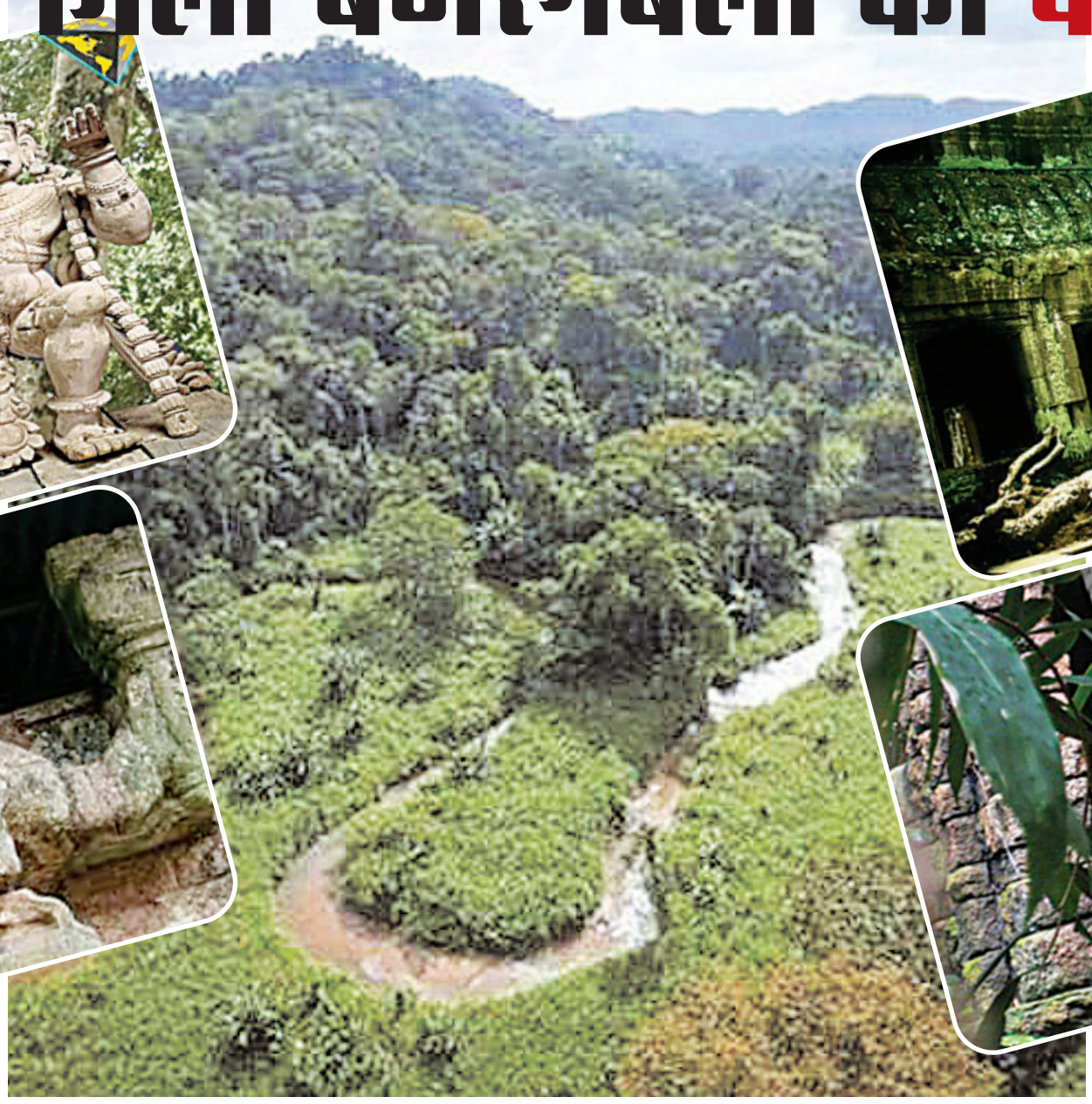

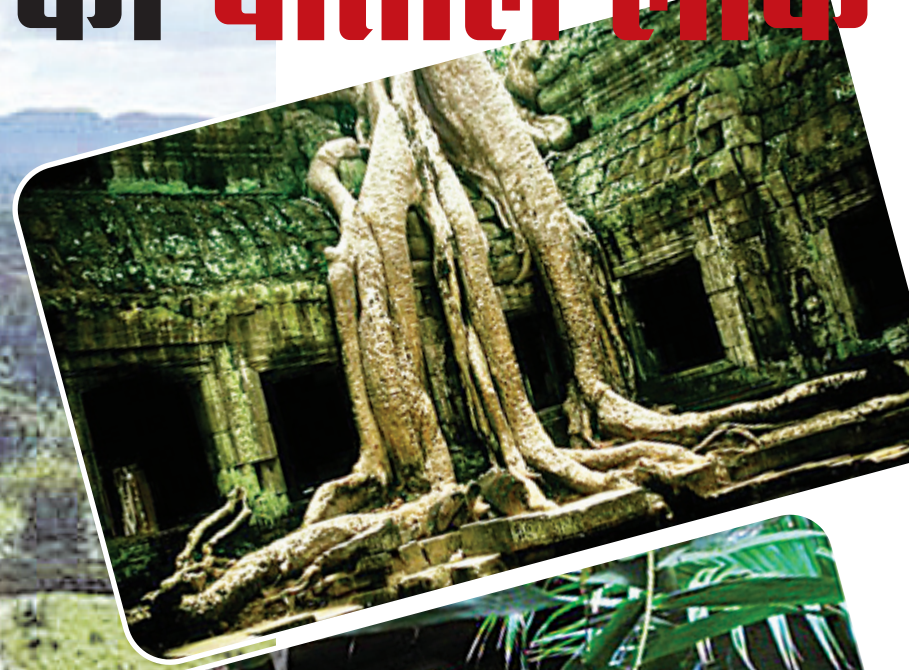

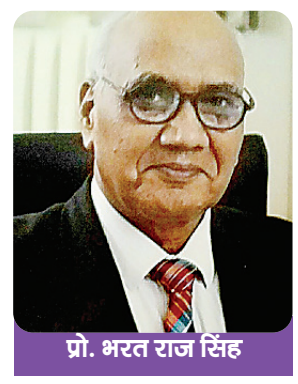

प्रो. भरत राज सिंह

रामायण की कथाओं को कल्पना मात्र बताने वाले लोगों को अब अपने शब्दों पर लगाम लगाना होगा । क्योंकि अमेरिकी वैज्ञानिकों ने उस स्थान को खोज निकाला का है जिसका उल्लेख रामायण में पाताल लोक के रूप में है। कहा जाता है कि हनुमानजी ने यहीं से भगवान राम व लक्ष्मण को पातालपुरी के राजा अहिरावण के चंगुल से मुक्त कराया था।

ये स्थान मध्य अमेरिकी महाद्वीप में पूर्वोत्तर होंडुरास के जंगलों के नीचे दफन है। अमेरिकी वैज्ञानिकों ने लाइडर तकनीकी से इस स्थान का 3-डी नक्शा तैयार किया है, जिसमें जमीन की गहराइयों में गदा जैसा हथियार लिये वानर देवता की मूर्ति होने की पुष्टि हुई है।

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के निदेशक और वैदिक विज्ञान केन्द्र के प्रभारी प्रो. भरत राज सिंह ने बताया है कि पहले विश्व युद्ध के बाद एक अमेरिकी पायलट ने होंडुरास के जंगलों में कुछ अवशेष देखे थे। अमेरिकी पत्रिका 'डेली टाइम्स गज़ट' के मुताबिक इस शहर की पहली जानकारी अमेरिकी खोजकर्ता थियोडोर मोर्ड ने 1940 में दी थी। एक अमेरिकी पत्रिका में उसने उस प्राचीन शहर में वानर देवता की पूजा होने की बात भी लिखी थी, लेकिन उसने जगह का खुलासा नहीं किया था। बाद में रहस्यमय तरीके से थियोडोर की मौत हो गई और जगह का रहस्य बरकरार रहा।

करीब 70 साल बाद अमेरिका की ह्यूस्टन यूनिवर्सिटी व नेशनल सेंटर फार एयरबोर्न लेजर मैपिंग के वैज्ञानिकों ने होंडुरास के घने जंगलों में मस्कीटिया नामक स्थान पर लाइडर नामक तकनीक से जमीन के नीचे 3-डी मैपिंग की, जिसमें प्राचीन शहर का पता चला। इसमें जंगल के ऊपर से विमान से अरबों लेजर तरंगें जमीन पर फेंकी गईं। इससे 3-डी डिजिटल नक्शा तैयार हो गया। 3-डी नक्शे में जमीन के नीचे गहराइयों में मानव निर्मित कई वस्तुएं दिखाई दीं। इसमें हाथ में गदा जैसा हथियार लिए घुटनों के बल बैठी हुई है वानर मूर्ति भी दिखी है।

होंडुरास के जंगल की खुदाई पर प्रतिबंध के कारण इस स्थान की वास्तविक स्थिति का पता लग पाना मुश्किल है। होंडुरास सरकार ने इस की पुख्ता जानकारी के लिए आदेश जारी किये हैं। अमेरिकी इतिहासकार भी मानते हैं कि पूर्वोत्तर होंडुरास के घने जंगलों के बीच मस्कीटिया नाम के इलाके में हजारों साल पहले एक गुप्त शहर सियूदाद ब्लांका का वजूद था। वहां के लोग एक विशालकाय वानर मूर्ति की पूजा करते थे। प्रो. भरत राज सिंह ने बताया कि बंगाली रामायण में पाताल लोक की दूरी 1000 योजन बताई गई है, जो लगभग 12,800 किलोमीटर है। यह दूरी भारत अथवा श्रीलंका से खोदी जाने वाली सुरंग जो पृथ्वी के व्यास 12,756 किलोमीटर के बराबर आती है।

रामायण में वर्णन है कि अहिरावण के चंगुल से भगवान राम व लक्ष्मण को छुड़ाने के लिए बजरंगबली को पातालपुरी के रक्षक मकरध्वज को परास्त करना पड़ा था। मकरध्वज बजरंगबली के ही पुत्र थे, लिहाजा उनका स्वरूप बजरगंबली जैसा ही था।

अहिरावण के वध के बाद भगवान राम ने मकरध्वज को ही पातालपुरी का राजा बना दिया था। जमीन के नीचे वानर मूर्ति मिलने के बाद अनुमान लगाया जा सकता है कि बाद में वहां के लोग मकरध्वज की ही मूर्ति की पूजा करने लगे, जो भारतवर्ष में हनुमान जी के औरुष पुत्र थे।

प्रो. भरत राज सिंह का यह भी मानना है कि हम सभी भारतीयों को गर्व करना चाहिए कि हमारे पौराणिक ग्रन्थ, जैसे रामायण, महाभारत, वेद व पुराण आदि प्राचीन इतिहास की एक धरोहर है, न कि एक काल्पनिक पुस्तकीय लेख। जो भारत वर्ष की प्राचीन सभ्यता और वैज्ञानिक प्रगति को विश्वपटल पर एक पथ प्रदर्शक होने का प्रमाण प्रस्तुत करती है।

फूल देकर प्रपोज कर रहे हैं रणवीर सिंह ?

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'बेफ्रिके' की शूटिंग कर विदेश से लौटे हैं और अब अभिनेत्री आलिया भट्ट संग रोमांस करते नजर आ रहे हैं। अब दीपिका पादुकोण का क्या होगा? अरे ऐसा कुछ सोचने से पहले आप जान लिजिए कि रणवीर-आलिया की नजदीकियां क्यों बढ़ी है। दरअसल हाल ही में एक फोटो सामने आई है जिसमें रणवीर घुटनों के बल बैठकर आलिया को गुलाब देकर प्रपोज करते नजर आ रहे हैं। वहीं आलिया, रणवीर के इस अवतार को देखकर चौंकती नजर आ रही हैं। रणवीर ने खुद यह तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की है और लिखा है,' लड़की ब्यूटीफुल कर गई चुल्ल।'

दोनों इस पोज में बेहद शानदार लग रहे हैं और दोनों की जोड़ी बहुत जम रही है। लेकिन आपको बता दें कि यह एक विज्ञापन के दौरान ली गई तस्वीर है। दोनों कुछ दिनों पहले ही मेक माई ट्रीप के एड में दिखाई दिये थे। दोनों को एकसाथ देखकर ऐसे कयास लगाये जा रहे थे कि दोनों जल्द ही किसी फिल्म में रोमांस कर सकते हैं। लेकिन इस खबर के फैंस का थोड़ा दुख हुआ होगा। लेकिन उम्मीद कर सकते हैं कि यह जोड़ी जल्द ही एकसाथ नजर आये।

दोनों जल्द ही किसी फिल्म में रोमांस कर सकते

मैं चोर नहीं हूं : टाइगर श्रॉफ

बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की अगली फिल्म 'मुन्ना माइकल' शूटिंग शुरू होने से पहले ही विवादों में घिर आई है। टाइगर पर ये आरोप लग रहे हैं कि उन्होंने इस फिल्म के लिए स्क्रिप्ट चोरी की है। वहीं टाइगर का कहना है कि वे चोर नहीं है और उन्होंने कोई स्क्रिप्ट चोरी नहीं की है। हाल ही में फिल्मकार सब्बीर खान ने यह घोषणा की थी कि उनकी अगली फिल्म 'मुन्ना माइकल' होगी जिसमें टाइगर मुख्य भूमिका निभाते नजर आ सकते हैं। वहीं मुंबई बेस्ड राइटर-डायरेक्टर कृतिक कुमार पांडे ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि टाइगर ने उनकी फिल्म की स्टोरी चुराई है। पांडे का कहना है कि 'मुन्ना माइकल' की थीम की कहानी उनकी फिल्म की कहानी से चोरी की गई है। यह फिल्म माइकल जैक्सन की फैन पर आधारित है। पांडे ने अपनी शिकायत में कहा है कि उन्होंने फिल्म की स्क्रिप्ट टाइगर को सुनाई थी और टाइगर इस फिल्म में काम करने के लिए भी तैयार हो गये थे। उन्होंने आगे कहा,' लेकिन बाद में उन्होंने (टाइगर) इस फिल्म में काम करने से इंकार कर दिया। अब टाइगर सब्बीर खान की फिल्म में काम कर रहे हैं जो माइकल जैक्सन के फैन पर ही आधारित है।

वहीं जब टाइगर से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा,' मुझे इस विवाद के बारे में कोई जानकारी नहीं है। हम यहां है और हमने कुछ नहीं चुराया है। मैं चोर नहीं हूं और न ही मैं झूठ बोल रहा हूं।'

तब्बू का नाम भारत की जानी-मानी अभिनेत्रियों में शुमार है। तब्बू अपने सशक्त किरदारों के लिए मशहूर हैं और जब भी उनका नाम किसी फिल्म में आता है, तो स्वाभाविक रूप में उस फिल्म से उम्मीदें काफी बढ़ जाती हैं। शनिवार 23 जुलाई को रात 8.30 बजे एंड पिक्चर्स पर होने जा रहे फितूर के वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर के मौके पर तब्बू ने डायरेक्टर अभिषेक कपूर के साथ अपने समीकरण के अलावा आदित्य रय कपूर और कैटरीना कैफ, इस फिल्म में अपने रोल और भविष्य के प्रोजेक्ट्स के बारे में चर्चा की। फितूर चार्ल्स डिकन्स की क्लासिक उपन्यास 'ग्रेट एक्सपेक्टेशन्स पर आधारित है। इसमें कैटरीना कैफ ने फिरदौस का रोल निभाया है और आदित्य राय कपूर नूर के रोल में हैं।

- अपनी फिल्म 'फितूर' के बारे में कुछ बताएं?

फितूर दो इंसानों की प्रेम कहानी है, जो अपने प्यार को पूरा करने में मुश्किलों का सामना करते हैं। फिल्म में सभी किरदार मजबूत हैं और सभी की एक कहानी है। मुझे यकीन है कि एंड पिक्चर्स के दर्शक इस फिल्म को एंजय करेंगे। मुझे इस फिल्म के वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर का इंतजार है क्योंकि टेलीविजन की पहुंच बहुत ज्यादा है।

- फितूर में आपका क्या रोल है?

बेगम हजरत का किरदार काफी उलझा हुआ और नाटकीय है। इस कहानी में वह नूर और फिरदौस नाम के दो प्रेमियों के लिए मुश्किलें खड़ी करती हैं। यह किरदार आपको पहली नजर में निगेटिव नजर आएगा लेकिन जब आप फिल्म देखेंगे तो आपको महसूस होगा कि इस किरदार के अनुभव ही उसके इस व्यवहार का कारण हैं। इस प्रेम कहानी में इस किरदार का बहुत अहम रोल है।

- रियल लाइफ में आपका 'फितूर' क्या है?

मुझे नेल पेन्ट्स और स्टेशनरी जमा करने का बेहद शौक है। मेरे पास अल्मारी भरकर स्टेशनरी है। मैं जहां भी जाती हूं उस देश के पोस्टकार्ड जमा करती हूं और उसे अपने संग्रह में जोड़ लेती हूं।

- अपने भविष्य के प्रोजेक्ट्स के बारे में बताएं?

मैं इस समय कई स्क्रिप्ट पढ़ रही हूं और मुझे एक रोचक कहानी का इंतजार है। मैं अब ऐसी एक्शन फिल्म करना चाहती हूं जिसमें पूरा बलीवुड मसाला हो। उम्मीद करती हूं कि मुझे कुछ अलग करने को मिलेगा। कुछ ऐसा रोल जो दर्शकों ने नहीं सोचा होगा कि मैं इसे निभाऊंगी।

- अभिषेक कपूर के साथ काम करने को लेकर आपके क्या अनुभव रहे?

मैं सेट पर सबसे सीनियर थी, लेकिन सेट पर मुझे इस अनुभव का बोझ नहीं उठाना पड़ा क्योंकि मैं अभिषेक कपूर को तब से जानती हूं जब से वे किशोर उम्र के थे। वे थोड़े अलग इंसान हैं। वे खुशमिजाज और बेहद टैलेंटेड हैं और उनके सोचने और फिल्म बनाने की एक अलग प्रक्रिया है। वे फिल्म बनाने की कला के प्रति गंभीर हैं। सेट पर हम सभी का रुख पेशेवर होता है लेकिन इसके साथ ही हम दोस्तों के रूप में एक दूसरे से करीबी से जुड़े हैं।

- फिल्म की शूटिंग के दौरान आपके क्या अनुभव रहे?

मैंने आदित्य कपूर और कैटरीना कैफ के साथ कुछ दिनों तक काम किया और यह शानदार अनुभव रहा। आदित्य एक प्रतिभाशाली अभिनेता हैं और कैटरीना कैफ पहले ही इंडस्ट्री में अपना एक मुकाम बना चुकी हैं। यह अनुभव काफी यादगार रहा क्योंकि हम एक दूसरे की खूबियों से ही सीखते हैं।

- क्या आपको पर्दे पर खुद को ग्रे किरदार निभाते देखना पसंद है?

हम सभी पर्दे से तभी जुड़ते हैं, जब इसमें हम भावनाएं देखते हैं। थिएटर में भी ड्रामा ही हमारे दिलों को छूता है और हमें सोचने पर मजबूर कर देता है। हममें से अधिकांश लोग इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हैं और इससे किसी न किसी तरह से जुड़ जाते हैं। ड्रामा के अलावा, मुझे कमेडी भी पसंद है। मैं एक के बाद एक कमेडी फिल्में देख सकती हूं और हर बार हंस सकती हूं। हास्य और ड्रामा आपको बांधे रखते हैं। वे दर्शकों में इस बात की उत्सुकता जगाए रखते हैं कि अब आगे क्या होगा। मुझे यह रहस्य देखना पसंद है और मैं पर्दे पर अपनी परफर्मेंस में भी इसी तरह का रहस्य पैदा करना चाहती हूं।

- आपने अब तक विभिन्न भूमिकाएं की हैं। आप अपने प्रोजेक्ट्स कैसे चुनती हैं?

यह हर रोल के लिए अलग-अलग होता है। मैंने बिल्कुल नए डायरेक्टर्स के साथ भी फिल्में की हैं, जबकि मुझे उनके विजन के बारे में कुछ भी नहीं पता था। इनमें चांदनी बार, मकबूल जैसी फिल्में शामिल हैं। मैं यकीन से नहीं कह सकती कि मुझे रोल का चुनाव करने के लिए कौन सी बात प्रेरित करती है।

पोस्टकार्ड्स, नेल पेन्ट्स, स्टेशनरी जमा करना मेरा फितूर : तब्बू

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक **राजेश श्रीवास्तव** के द्वारा **इंडियन एक्सप्रेस लि. प्रेस**, सी-26, अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, लखनऊ से मुद्रित तथा ई-126 जियामऊ, हजरतगंज- लखनऊ से प्रकाशित।
दिल्ली कार्यालय : सी-40, साऊथ एक्सटेंशन, पार्ट-II, नयी दिल्ली-49, **फोन- 011-41320470, संपादक** - राजेश श्रीवास्तव, **सलाहकार संपादक :** सरिता श्रीवास्तव **फोन-0522-2204499**